

tuin pEikor में विकासखण्ड वार स्त्री-पुरुष अनुपात (लिंगानुपात) का संक्षिप्त अवलोकन-वर्ष 2001 एवं 2011

MkO egUn: flig pkigku
, l k f l , V i k Q l j j H k x k y f o H k k x
j k t d h ; e g k f o l k y ; V u d i j
pEikor] mRrjk[k.M

Email: mahendra.jan25@gmail.com

fyx dk 0;kdj.k fo}kuk द्वारा यह कह कर परिभाषित किया गया है, कि जिससे किसी को पुरुष या महिला होने का बोध हो सके उसे लिंग कहते हैं। जनसंख्या का लिंग $l?kVd ik; \%, d vuikr \}kjk inf$ त किया जाता है जिसे लिंगानुपात या स्त्री-पुरुष $vuikr dgr gA Hkkjr e ; g vuikr ifr 1000$ पुरुषों पर महिलाओं की संख्या के रूप $e n$ र्णिया जाता है। भारत एक बहु आबादी वाला राष्ट्र यहां पर अनेक स्तरों पर विविधता $fo|eku gA Hkkjrh; vkcknh dk yxHkx vk/kk fgLlk fL=; k dk g] ijr vHkh Hkh fL=; k dk lekt e cjkckjh dk ntk u fey ldk gA vr oreku e vko$; drk bl ckr dh $g fd fyxh HknHkko dk leklr dj fL=; k dh fLFkfr dk ,d vPN edke ij igpk; k tk,] rkfd fL=; k Hkh ekuo lekt d fodkl e viuh ijh {kerk dk mi; kx dj l dA L=h dh bl egUkk dk n[kr g, vefjdk fo}ku ^ctkfeu* u fyxkuikr d lnHk e$ उनका कथन है कि लिंगानुपात या स्त्री-पुरुष अनुपात किसी भी दे"क] in"क d vkfFkd $fodkl dk ,d egRoi.k y{k.k gA ftll ml \{k= dk fo$ लेषण अच्छी तरीके से की $tk ldrh gA bl dk iHkko tuleg of) ookfgd nj ,o 0; kolkf; d vkj vljpuk ij Hkh iMrk gA oreku le; e Hkkjr ,o fo"o Lrj fodk"kh y n"te में स्त्री-पुरुष अनुपात औसत से कम दर्ज हुई है। इसका मुख्य कारण पुरुष $i" k" k dk iku dh T; knk$ चेष्टा है। स्त्री भ्रूण हत्या के $dkj.k gh cPpk ink gku d le;$ पुरुष बच्चों की संख्या $T; knk cuh jgrh g \frac{1}{4} VhokFkk] thOVhO 1969\%$$

महत्वपूर्ण भावदावली: लिंगानुपात की परिभाषा, लिंगानुपात परिकलन, स्त्री-पुरुष का $ryUkkRed v/; ; uA$

i: Lrkouk%

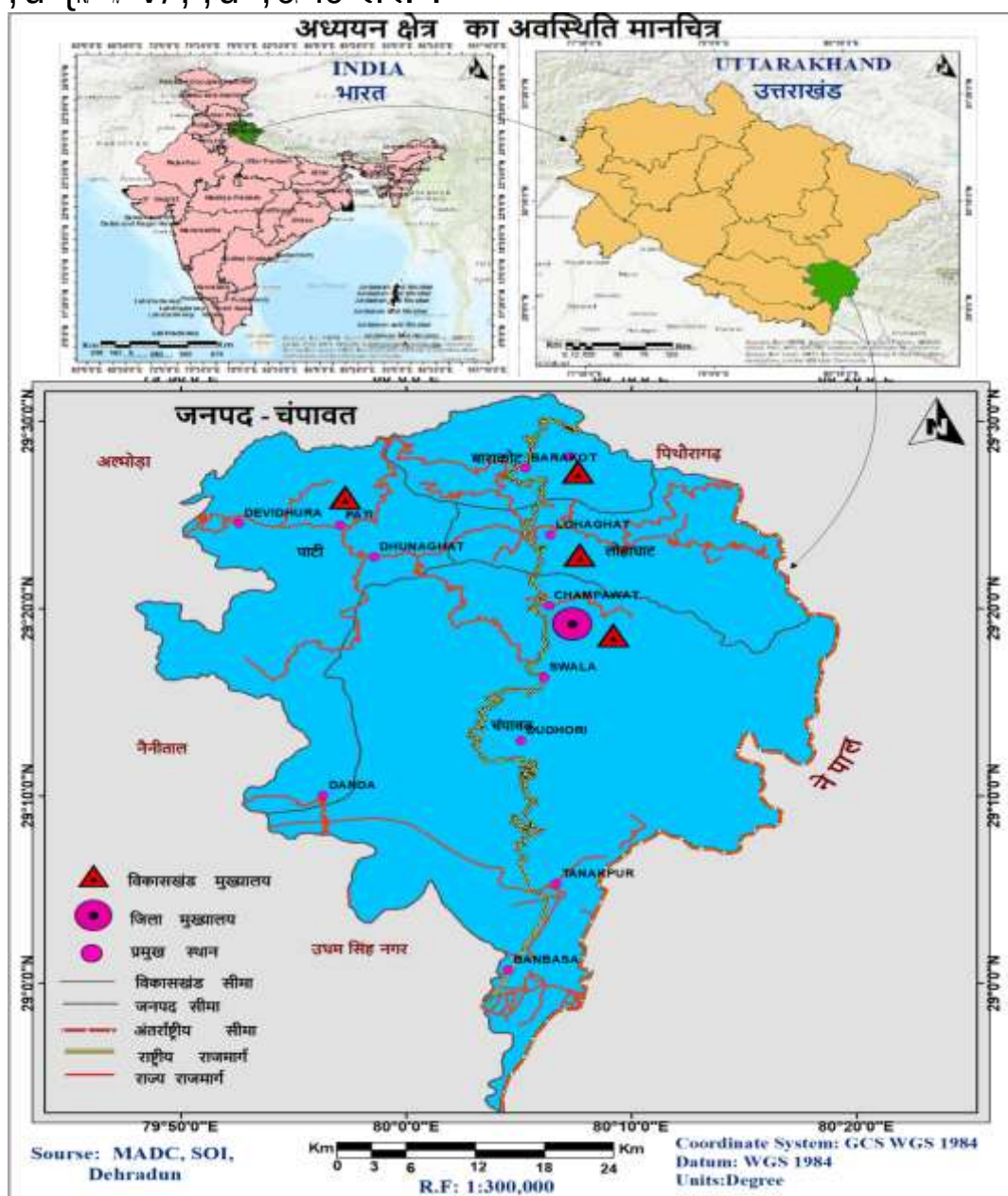
tu l[; k dh ljpukRed fo"षता के अन्तर्गत स्त्री-पुरुष अनुपात की अध्ययन का fo"ष महत्व प्राप्त है। वर्तमान समय में भारत एवं वि"o d vU; n"te में स्त्री-पुरुष $vuikr e fujrj deh nt dh tk jgh gA tk lekftd ljpuk dh vLFkjrj dk$ इंगित करता है। स्त्री-पुरुष अनुपात किसी भी दे"क ; k in"क d lekftd&vkfFkd <kp $dk iHkkfor djrh gA L=h d ifr HknHkko l lekt d fodkl dk Lo: lk vfofPNuu : lk /kkj.k dj yrk gA fdll l lekt e fofHkUu idkj dh cjk; k mRiUu gku yxrh gA v/; ; u \{k= e n[kk x; k g fd foxr n"teकों में स्त्री-पुरुष अनुपात में कमी आई है। ; g deh xkeh.k uxjh \{k= k d l k Fk gh l k Fk iR; d fodkl [k.M Lrj ij Hkh n[kh xb gA ble l/kkj dju dh t: jr g] rkfd v/; ; u \{k= dk ,d lefpr vkj leko"kh fodkl gk l dA$

मि॥ ; %

- विकासखण्ड वार स्तर पर स्त्री-पुरुष अनुपात के स्वरूप का अध्ययन करना।
- स्त्री-पुरुष अनुपात की स्थिति के आधार पर महिला के जीवन की गुणवत्ता एवं

fof/k r:=%

प्रस्तुत शोध पत्र पैकॉर जनपद (उत्तराखण्ड) में विकासखण्ड वार स्त्री-पुरुष वुइकर द ल्फ़्लर वुयकुदु इज व्क/क्फ़्जर ग़ा त्क एयर॥ फ़}रह; द व्कड्मक इज व्क/क्फ़्जर ग़ा फ़्त ल् फ़म्लव्दव ल्ल ग़मद] पिकोर] फ़त्यक ल्क[; ध इफ़=दक ल् ल्कफ़/क्र व्कड्मक का प्रयोग किया गया है। यह जनगणना वर्ष 2001 एवं 2011 के दौरान स्त्री-पुरुष अनुपात द्क र्कयुक्क्रेड वुयकुदु इज व्क/क्फ़्जर ग़ा फ़्त ल् र्कफ़्यदक&01 e n"क्क; क़ x; क़ ग़ा व्/; ; u {k= % व्/; ; u , o fo"लेशन:



Hkkjr ,d cg vkcnh okyk jkT; gA lekt dh x.koUkk fo"prk e efgyk dk lEeku भी शामिल है। महिला की इस समाज को विभिन्न दि"kk e xfr nu e egroi.k Hkfedk gkrh g] ;k ; dg fdlh Hkh ifjokj dh lekftd&vkfkd fodkl e efgyk dk ie[k ;kxnu jgrk gA oreku e vko";drk bl ckr dh g fd fyxh Hkn dk lekr dj fL=k dh fLFkr e l/kkj fd;k tkuk pkfg,A ;g fyxh HknHkko Hkkjr e gh ugh vfir fo"o d iR;d n"kk e fdlh u fdlh :lk e fo|eku gA v/;;u {k= e n[kk x;k g fd tgk ij cgrj LokLF; lfo/kk,] efgyk lEeku] ,o Hk.k gR;k d ifr tkx#drk वहां पर स्त्री-पुरुष अनुपात अच्छा है।

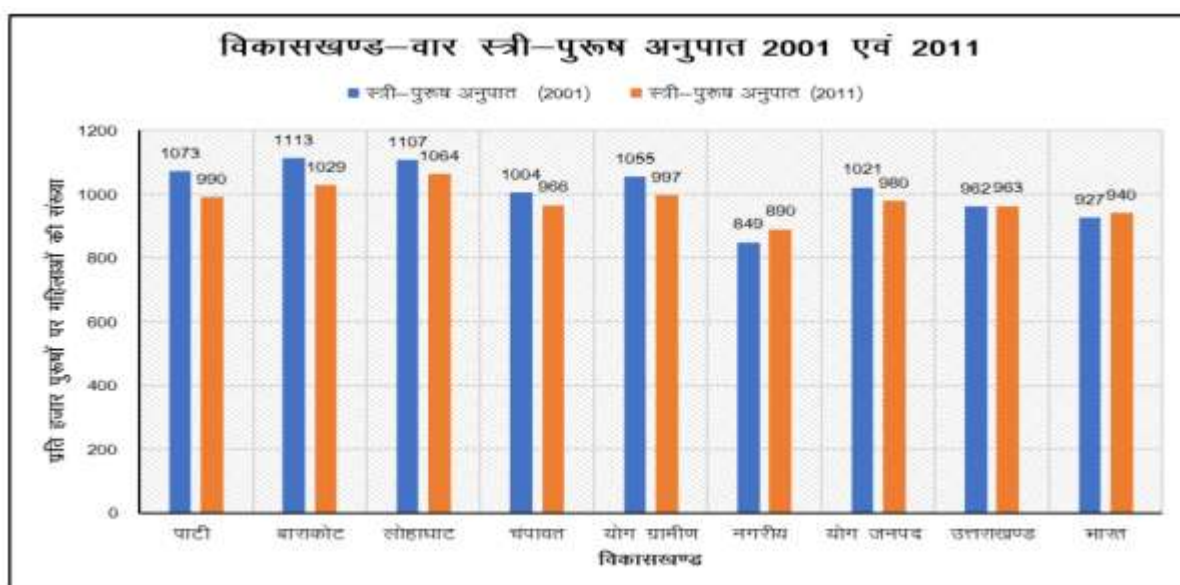
भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात का परिकलन प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप e 0;Dr fd;k tkrk g&

$fyxkuikr = \frac{\text{कुल स्त्रियों की संख्या}}{\text{कुल पुरुषों की संख्या}} \times 100$

rkfydk&1

विकासखण्ड वार स्त्री-पुरुष $vuiKr \frac{1}{2}sex\ ratio\frac{1}{2}$ वर्ष: 2001 एवं 2011

Ø0 l.0	fodkl [k.M okj	प्रतिहजार पुरुषों पर स्त्रियों का अनुपात: वर्ष: 2001	प्रतिहजार पुरुषों पर स्त्रियों का अनुपात: वर्ष: 2011
1	ikVh	1073	990
2	ckjdkV	1113	1029
3	ykgk?kkV	1107	1064
4	pikr	1004	966
5	;kx xkeh.k	1055	997
6	uxjh;	849	890
7	;kx tuin	1021	980
8	mUkj[k.M	962	963
9	Hkkjr	927	940



विकासखण्ड वार स्त्री-पुरुष अनुपात (Sex Ratio $\frac{1}{2}$ वर्ष: 2001 एवं 2011

के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात 940, in"क Lrj ij 963 rFkk जनपद स्तर पर 980 है। यह स्पष्ट होता है कि जनपद pEikor का स्त्री-पुरुष अनुपात भारत एवं प्रदेश Lrj I Åpk gA tcf d ;g vuikr tuin d uxjh; ,o xkeh.k Lrj ij Øe"t: 890 एवं 997 है। अध्ययन क्षेत्र में स्त्री-पुरुष अनुपात 1021, वर्ष 2001 के दौरान थी, लेकिन इसमें 41 की स[;k e deh gkdj ;g 2011 e 980 पर आ गयी। इस प्रकार स्पष्ट है कि जनपद में वर्ष 2001 में लिंगानुपात या स्त्री-पुरुष अनुपात बेहतर स्थिति में थी।

जनगणना वर्ष 2001 में सर्वाधिक व सबसे कम स्त्री-पुरुष अनुपात वाला विकासखण्ड Øe"kk ckjkdV 1113½ rFkk pEikor 1004½ dk LFkku jgkA bld ckn Øe"kk ?kVr क्रम में— लोहाघाट (1007) एवं पाटी (1073) है। जबकि वहीं दूसरी तरफ जनगणना वर्ष 2011 में सर्वाधिक व सबसे कम स्त्री-पुरुष अनुपात वाला विकासखण्ड क्रम"kk ykgk?kkV 1064] pEikor 966 dk LFkku jgk bld ckn Øe"kk ?kVr Øe e ckjkdV 1029 ,o ikVh 990½ gA

उपरोक्त तथ्यों से तुलनात्मक अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर जनगणना वर्ष 2001 एवं 2011 के मध्य प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं का अनुपात घटा है। इस संदर्भ में स्त्री-पुरुष अनुपात की संख्या में परिवर्तन की दृष्टिकोण I lokf/kd o lcl de ifjoru okyk fodkl [k.M Øe"kk ckjkdV 84 dh deh½ pEikor 38 dh deh½ gA bld ckn ?kVr Øe e Øe"kk ikVh 83 dh deh½ लोहाघाट (43) स्थान है। स्त्री-पुरुष अनुपात में यह कमी जनपद स्तर पर भी 41 की I [;k e gb gA

mijDr rF;k I लिष्ट होता है कि वर्ष 2001 में जनपद एवं विकासखण्ड स्तर पर स्त्री-पुरुष अनुपात एक बढ़िया स्थिति में था जबकि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार स्त्री-पुरुष अनुपात में कमी हुई है। कमी के निम्न कारण हो सकते हैं—

- ekU;rk, ,o ijijkvk d vUrxr ifjokj dh vxyh ih<h c<ku gr i= ikflr dk mî"; I efgykvk dk tUe nu dh bPNk dk uk gkukA
- I dh.k fopkj/kkj d dkj.k ckyd ckfydkvk e yfxd HknHkkoA
- vf"kf{kr gkukA
- tkx#drk d vHkko e yfxd HknHkko I ckyd&ckfydkvk dh n[k&j[k] f"kk{kk तथा पोषण आदि स्तरक ij HknHkkoA
- vkfFkd rxh I t> jgh Hkkjrh; ifjokj dh I [;k vf/kd gA , I e ckfydkvk dh vi{kk ckyd dk lru d :lk e ikFkedrk nr g ft I I ckyd vkfFkd rxh dk nj dj ldrk gA
- Ijdkjh mnklhurk d dkj.k fofHkUu fpfdRIky; e ,o fut h Dyhfud ij Hk.k dh tkp rFkk dU;k Hk.k gR;k dk dk; dk gkukA
- Iekftd diHkko vkt Hkh Hkkjrh; Iekt d lpuk vkj rdudh d ;x e Hkh व्याप्त है। जैसे—दहेज प्रथा, बाल—विवाह, विधवा विवाह पर निषेध आदि है।

- दोषपूर्ण $f''k\{kk\ i.kk y^h\ d\ dkj.k\ t\ l\&\ n\ o\ \text{षपूर्ण पाद्यक्रम, अपूर्ण } f''k\{kk\ m\}$;] $ckfydk\ fo\ |ky; dk\ vHkko\ ,o\ ckfydkvk\ d\ fy,\ vudy\ fo\ |ky; dh\ njh\ vkj\ lfo/kkvk\ dk\ vHkko\]\ 0;o\ l\ kf;d\ ikB;\ \emptyset ek\ dk\ vHkko\ vkfn\ gA$

निष्कर्ष यह कहा जा सकता है कि स्वतंत्र भारत में स्त्री-पुरुष भेद मिटाने के बहुत $i;k\ l\ fd,\ x,] ij ;g\ rHkh\ lHko\ g\ tc\ bl\ tehu\ Lrj\ ij\ i;k\ l\ fd;k\ tk,A\ bl\ h\ m\}$ को देखते हुए दसवीं पंचवर्षीय योजना स्त्री-पुरुष भेदभाव को खत्म करने $dh\ m\}$; $ij\ cy\ fn;k\ x;k\ FkkA\ bld\ ckotn\ Hkh\ tc\ rd\ lekt\ dh\ efgykvk\ d\ ifr\ viuk\ ldkj\ Red\ lkp\ o\ mudh\ vudy\ ekgky\ fuek.k\ fd;k\ tk,] tc$ तक हम इस स्त्री-पुरुष अनुपात के भेद को मिटाने में सफलता नहीं मिल पाएगी।

$l\>ko\%$

$Hkkjr\ e\ f''\text{ाक्षा व साक्षरता में वृद्धि तो दर्ज की जा रही है, परंतु स्त्री-पुरुष भेद के } lEcU/k\ e\ lFkfr\ vHkh\ fprktudA\ ckyd\ vkj\ ckfydkvk\ e\ Hkn\ d\ dkj.k\ efgykvk$ की एक बड़ी आबादी की मस्तिष्क का इष्टतम तो दूर की बात है अनुकूलतम क्षमता $dk\ Hkh\ mi;kx\ n''k\ vkj\ lekt\ dh\ ixfr\ e\ ugh\ fd;k\ tk\ ldk\ gA\ bl\ idkj$ स्त्री-पुरुष अनुपात को अनुकूल स्थिति में लाने के लिए निम्नलिखित सुझाव हैं—

- $tu\ f''k\{kk\ d\ ilkj\ d\ ek;/e\ l\ ,d\ fo''kky\ tul[;k\ dh\ ekuo\ dk\ f''kf\{kr$ करना होगा। ताकि व समझ आ जाए कि स्त्री-पुरुष मायने नहीं रखती, बल्कि $0;fDr\ d\ dk; egRo\ j[kr\ gA$
- $lekt\ e\ L=h\ egRo\ dk\ tkx\#drk\ d\ ek;/e\ l\ mtkxj\ djuk\ vU;Fkk\ fuEu\ leL;k\ mRiUu\ gk\ ldrh\ gA\ t\ l\&\ lkekftd\ 0;oLFkk\ e\ vlryu\] fookg\ gr\ dU;k\ dk\ u\ feyuk\] ckyd\&ckfydkvk\ d\ vuikr\ e\ deh\ vkfnA$
- $Hk.k\ gR;k\ dk\ jkdu\ dk\ dBkj\ iko/kkuA$
- $ckfydkvk\ dh\ f''k\{kk\ d\ ilkj\ gr\ i''kk\ lfud\] futh\ ,o\ fofHkUu\ lLFkkuk\ dk\ mi;kx\ fd;k\ tk,A$
- $f''k\{kk\ i.kk y^h\ e\ l/kkj\ dj d\ t\ l\&f''k\{kk\ x.korRkki.k\ cuk\ dj d\] efgykvk\ dh\ vko'';drk\ ,o\ vfHk\#fp\ d\ vulkj\ ikB;\ \emptyset e\] efgyk\ f''k\{kk\ 0;o\ l\ kf; ij d\ cuk;k\ tkuk\ pkfg,A$
- $lo/kkfud\ mipkj\] l\ j\{kk\ okrkoj.k\ fufer\ djuk\] ckfydkvk\ d\ 0;kol\ kf;d\ fo\ |ky;k\ dh\ 0;oLFkk\ djukA$

l nHk xFk l ph%

- 1- pknuk vk0lh %1987% ;g T;kxkQh vkQ ikiy”ku dY;k.kh ifcyd”ku]
लुधियाना, पृष्ठ 78–80।
- 2- ftyk l kf[;dh if=dk] tuin] pEikor (उत्तराखण्ड) वर्ष: 2010&11A
- 3- VhokFkk] thOVh0 %1959% , T;kxkQh ikiy”ku oYM iVu] tku foy ,.M l l]
न्यूयॉर्क, पृष्ठ—92।
- 4- fMfLVDV l l l g.Mcd tuin pEikor (उत्तराखण्ड) वर्ष: 2001 एवं 2011।